राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

रोकठोक लेखनी

RNI NO. : MAHHIN/2019/77511

खबरें बे-रोकटोक

वर्ष 07 | अंक 43 | मुंबई : बुधवार 02 सितंबर 2026 से 08 सितंबर 2026 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 8 | कीमत : 03 रुपये

फडणवीस सरकार में फिर उबाल !

मनोज जरांगे और ऑटो-टैक्सी भाषा विवाद पर मंत्रियों में मतभेद, कैबिनेट में तनाव

महाराष्ट्र सरकार की आज राज्य मंत्रिमंडल बैठक में भारी राजनीतिक गहमागहमी और मंत्रियों की नाराजगी देखने को मिली। एक तरफ जहां मराठा आंदोलनकारी मनोज जरांगे पाटिल के तीखे बयानों से सरकार के कुछ मंत्री असहज महसूस कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ ऑटो रिक्शा-टैक्सी चालकों को मराठी भाषा सीखने के लिए दी गई एक साल की छूट से भी सरकार के भीतर असंतोष पनप रहा है। इन दोनों फैसलों के कारण कैबिनेट बैठक में मंत्रियों के बीच मतभेद खुलकर सामने आये।

मनोज जरांगे के बयानों से मंत्री परेशान

मनोज जरांगे पाटिल लगातार सरकार की नीतियों और शीर्ष मंत्रियों पर सीधे व्यक्तिगत हमले कर रहे हैं। उपमुख्यमंत्री पर की जा रही लगातार

बयानबाजी से कई मंत्रियों का मानना है कि जनता के बीच सरकार की छवि खराब हो रही है। मंत्रियों का यह भी तर्क है कि स्थिति को संभालने के लिए सरकार को जरांगे के साथ बेहतर और सीधा संवाद स्थापित करना चाहिए।

मराठी भाषा की समय सीमा पर शिवसेना नाराज

परिवहन मंत्री द्वारा ऑटो-टैक्सी चालकों के लिए मराठी भाषा को लेकर लिए गए फैसले को बदलते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने चालकों को एक साल की मोहलत दे दी है। मुख्यमंत्री के इस कदम से शिवसेना के मंत्री नाराज बताए जा रहे हैं। उनका मानना है कि अचानक फैसला बदलने से स्थानीय नागरिकों और मराठी भाषी जनता के बीच गलत संदेश गया है।

नाराज मंत्रियों को मनाना चुनौती

महाराष्ट्र सरकार के सामने इस समय दो अहम मुद्दों को लेकर राजनीतिक दबाव बढ़ता नजर आ रहा है। मनोज जरांगे पाटिल के बयानों और ऑटो-टैक्सी चालकों को मराठी भाषा सीखने के लिए दी गई एक साल की मोहलत को लेकर मंत्रियों में नाराजगी बताई गई। ऐसे में आज की राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में इन मुद्दों पर चर्चा भी हुई। कुछ मंत्री फैसलों और सरकार की रणनीति पर अपनी असहमति खुलकर रखें।

मुंबई: बच्चों को कुरकुरे, मैगी और लेज देने से पहले सावधान

मुंबई में पैकेट पर बदली जा रही थी एक्सपायरी डेट...

मुंबई: महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने एक ऐसे रैकेट का भंडाफोड़ किया है जो पैक्ड फूड प्रोडक्ट पर मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपायरी डेट बदल कर दोबारा बाजार में बेचने के लिए तैयार करते थे। एफडीए और नवी मुंबई पुलिस क्राइम ब्रांच के इस साझा ऑपरेशन के दौरान जब्त किए गए स्टॉक में भारत के कुछ सबसे मशहूर फूड और बेवरेज ब्रांड शामिल हैं।

जब्त किए गए स्टॉक में लेज, कुरकुरे, मैगी, नॉर, रसोई, हेलमैन्स, थम्स अप और लिम्का के प्रोडक्ट शामिल थे। इन पैकेट में क्लासिक सॉल्टेड, मैजिक मसाला, स्पैनिश टैंगी टोमैटो, सिजलिंग हॉट और लेमन चिली वैरिएंट शामिल थे। एफडीए के अनुसार, फूड पैकेजिंग पर छपी तारीखों को हटाया या उन पर दूसरी तारीखें लिखी जा रही थीं। एफडीए अधिकारियों को कथित तौर पर इंकजेट प्रिंटर, थिनर और खास तौर पर तैयार किए गए स्टिकर मिले, जिनका इस्तेमाल ओरिजनल मैन्युफैक्चरिंग जानकारी मिटाने या छिपाने के लिए किया जा रहा था। मुंबई के अलावा दिल्ली और नोएडा की एक्सपोर्ट-इंपोर्ट कंपनिया भी शामिल हैं।

मीरा रोड में 4 करोड़ रुपये के 4.3 किलो सोने की चोरी का पदार्फाश...

जयपुर से दुकान के नौकर सहित 2 गिरफ्तार

मीरा रोड : मीरा रोड (पूर्व) के क्वींस पार्क कॉम्प्लेक्स स्थित एक ज्वेलरी शॉप से 4 करोड़ रुपये से अधिक कीमत के करीब 4.3 किलो सोने के गहने चोरी होने के मामले में मीरा-भाईंदर क्राइम ब्रांच ने राजस्थान के जयपुर से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दिनेश रावत (35) और ललित सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने चोरी किए गए सोने के गहनों की बरामदगी की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

दोपहर में हुई थी चोरी

पुलिस के अनुसार, 19 अगस्त को दोपहर करीब 2 बजे से 4.15 बजे के बीच दीपक हॉस्पिटल के पीछे गार्डन बिल्डिंग स्थित दुकान नंबर 26 में संचालित 'शगुन गोल्ड' ज्वेलरी शॉप में चोरी हुई। दुकान मालिक राजेश बापना (42) ने नवघर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी।

4 किलो 300 ग्राम सोने के गहने चोरी

शिकायत के मुताबिक, दुकान से सोने के हार, मंगलसूत्र, अंगूठियां, झुमके, चेन, पेंडेंट और कंगन समेत कई तरह के आभूषण चोरी किए गए। चोरी हुए गहनों का कुल वजन करीब 4 किलो 300 ग्राम बताया गया है। इनकी कीमत 4 करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई है।

कर्मचारी के फरार होने से गहराया शक

चोरी की घटना के बाद दुकान का कर्मचारी दिनेश रावत अचानक फरार हो गया। इसके बाद पुलिस का शक उस पर गहरा गया। जांच टीम ने दुकान और आसपास लगे CCTV कैमरों की फुटेज खंगाली। इसके साथ ही आरोपी के संपर्कों और गतिविधियों की तकनीकी जांच भी शुरू की गई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए नवघर पुलिस के साथ मीरा-भाईंदर क्राइम ब्रांच की टीम को जांच में लगाया गया। CCTV फुटेज और तकनीकी जांच से मिले सुरागों के आधार पर पुलिस ने आरोपी का पीछा करते हुए राजस्थान के जयपुर तक पहुंच बनाई।

ठाणे के सरकारी अस्पताल में बड़ी लापरवाही:

मरीज के खाने में मिला कॉकरोच, वार्ड में मचा भारी हंगामा...

ठाणे : ठाणे मनपा द्वारा संचालित कलवा के छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में भर्ती एक मरीज के रात के भोजन में कॉकरोच मिलने का मामला सामने आया है। घटना के बाद अस्पताल में मरीजों और उनके परिजनों में नाराजगी फैली है। मनसे ने मामले को गंभीर बताते हुए भोजन सप्लाई करने वाले ठेकेदार को तत्काल ब्लैकलिस्ट करने और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

जानकारी के अनुसार, 28 अगस्त की रात अस्पताल के वार्ड नंबर 6 में आंखों की सर्जरी के लिए भर्ती एक मरीज को भोजन दिया गया था। मरीज को भोजन करते समय खाने में कॉकरोच दिखाई दिया। आरोप है कि घटना सामने आने के बाद वार्ड में मौजूद अन्य मरीजों में भी आक्रोश फैल गया।

मनसे ने अस्पताल प्रशासन पर लगाए गंभीर आरोप

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के जनहित एवं विधि विभाग के शहर अध्यक्ष स्वप्नील महिंद्रकर ने आरोप लगाया कि कलवा अस्पताल में मरीजों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता को लेकर पहले भी शिकायतें सामने आती रही हैं। इसके बावजूद प्रशासन की ओर से इन शिकायतों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया।

रोजाना 1000 लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़

कलवा स्थित इस अस्पताल में ठाणे, कल्याण-डोंबिवली और ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए आते हैं। मनसे का दावा है कि अस्पताल और मेडिकल कॉलेज में प्रतिदिन एक हजार से अधिक लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था की जाती है। ऐसे में भोजन में कॉकरोच मिलना मरीजों के स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मामला है। राज्य में खाद्य एवं औषधि प्रशासन की ओर से खाद्य पदार्थों की सुरक्षा को लेकर कार्रवाई की जा रही है, तो सरकारी अस्पताल में सामने आए इस मामले की भी जांच क्यों नहीं की जा रही है।

मुंबई के भांडुप कॉम्प्लेक्स फॉरेस्ट में दिखे दो तेंदुए, वीडियो वायरल होने से इलाके में बढ़ी चिंता

मुंबई : महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में एक बार फिर तेंदुए की मौजूदगी ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। इंटरनेट पर वायरल हो रहे एक वीडियो में भांडुप कॉम्प्लेक्स फॉरेस्ट इलाके में दो तेंदुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद आसपास रहने वाले लोगों और इस क्षेत्र से गुजरने वालों में सतर्कता बढ़ गई है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो तेंदुओं की मौजूदगी की जानकारी देने और लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से दूर से रिकॉर्ड किया गया था।

पाइपलाइन पर बैठे नजर आए तेंदुए वायरल वीडियो में दो तेंदुए एक बड़ी पाइपलाइन पर बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं।वीडियो बनाने वाला व्यक्ति दोनों जानवरों से काफी दूरी बनाए हुए नजर आ रहा है, जिससे तेंदुओं को किसी तरह की परेशानी न हो। वीडियो में तेंदुए शांत अवस्था में दिखाई दे रहे हैं और आसपास का क्षेत्र जंगल जैसा नजर आ रहा है।

स्थानीय लोगों में बढ़ी चिंता तेंदुओं के दिखाई देने की खबर फैलने के बाद भांडुप और आसपास के

इलाकों में रहने वाले लोगों में चिंता का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जंगल क्षेत्र के आसपास रहने वाले लोगों को पहले भी कई बार जंगली जानवरों की मौजूदगी का सामना करना पड़ा है। लोगों ने वन विभाग से इलाके में निगरानी बढ़ाने की मांग की है, ताकि किसी अप्रिय घटना को रोका जा सके। वन क्षेत्र से सटा है इलाका भांडुप कॉम्प्लेक्स फॉरेस्ट मुंबई के उन क्षेत्रों में शामिल है, जहां जंगल और शहरी क्षेत्र एक-दूसरे के करीब हैं।

ऐसे इलाकों में अक्सर तेंदुए जैसे वन्यजीवों की आवाजाही देखी जाती है। शहरी विस्तार बढ़ने के कारण कई बार वन्यजीव अपने प्राकृतिक आवास से बाहर निकलकर इंसानी इलाकों के करीब पहुंच जाते हैं। लोगों से सतर्क रहने की अपील वन्यजीव विशेषज्ञों का कहना है कि तेंदुए आमतौर पर इंसानों से दूरी बनाकर रहते हैं और उन्हें परेशान करने या उनके करीब जाने से खतरा बढ़ सकता है। लोगों को सलाह दी जाती है कि वे तेंदुए दिखाई देने पर शोर न करें, भीड़ न लगाएं और तुरंत वन विभाग को सूचना दें। विशेष रूप से बच्चों और बुजुर्गों को जंगल या सुनसान क्षेत्रों के आसपास जाने से बचने की सलाह दी जाती है। वीडियो की जांच की जा रही वायरल वीडियो के सामने आने के बाद संबंधित विभाग इस मामले पर नजर रख रहा है। अधिकारियों की ओर से इलाके की स्थिति और तेंदुओं की गतिविधियों पर निगरानी रखी जा सकती है।

मुंबई की झीलों में 96% पहुंचा जल भंडार

मुंबई : मुंबई शहर को पानी की आपूर्ति करने वाली सात प्रमुख झीलों में जल भंडार की स्थिति बेहतर बनी हुई है। हाइड्रोलिक इंजीनियर विभाग के आंकड़ों के अनुसार, रविवार 30 अगस्त सुबह 6 बजे तक इन झीलों में पानी का स्टॉक बढ़कर 95.95 प्रतिशत पहुंच गया। शनिवार को भी झीलों में जल भंडार का स्तर 95.95 प्रतिशत दर्ज किया गया था। लगातार अच्छी बारिश के कारण मुंबई की जल आपूर्ति करने वाले जलाशयों में पर्याप्त पानी जमा हो गया है।

सात झीलों में जमा है करीब 13.88 लाख मिलियन लीटर पानी मुंबई को पानी उपलब्ध कराने वाली सात झीलों की कुल लाइव स्टोरेज क्षमता 14,47,363 मिलियन लीटर है। वर्तमान में इन जलाशयों में करीब 13,88,423 मिलियन लीटर उपयोगी पानी उपलब्ध है। जल भंडार का यह स्तर शहर की जल जरूरतों के लिए राहत देने वाला माना जा रहा है। बारिश से बढ़ा जल स्तर मुंबई और आसपास के क्षेत्रों में हुई बारिश का असर जलाशयों के स्तर पर दिखाई दे रहा है।

नगर निकाय के अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल मुंबई में पानी की आपूर्ति को लेकर कोई बड़ी चिंता नहीं है। मुंबई की पानी जरूरतों के लिए महत्वपूर्ण हैं झीलें मुंबई की जल आपूर्ति मुख्य रूप से सात प्रमुख झीलों पर निर्भर करती है। इन झीलों में जमा पानी पूरे साल शहर की लाखों आबादी की जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मानसून के दौरान इन झीलों का भरना बेहद जरूरी होता है, क्योंकि यही पानी गर्मी और कम बारिश वाले महीनों में शहर के काम आता है। जल प्रबंधन पर नजर रख रहा विभाग हाइड्रोलिक इंजीनियर विभाग झीलों के जल स्तर और पानी की आवक पर लगातार नजर रख रहा है। अधिकारियों द्वारा प्रतिदिन जल भंडार की स्थिति की समीक्षा की जाती है, ताकि शहर में पानी की आपूर्ति को बेहतर तरीके से संचालित किया जा सके। नागरिकों से पानी बचाने की अपील हालांकि जल भंडार की स्थिति अच्छी है, लेकिन प्रशासन लगातार लोगों से पानी का सावधानीपूर्वक इस्तेमाल करने की अपील करता रहा है। अधिकारियों का कहना है कि पर्याप्त पानी उपलब्ध होने के बावजूद जल संरक्षण जरूरी है, ताकि भविष्य में किसी भी स्थिति का सामना किया जा सके। आने वाले महीनों के लिए राहत मुंबई में मानसून के दौरान झीलों में अच्छा जल संचय शहर के लिए बड़ी राहत लेकर आता है। अगर आने वाले दिनों में भी बारिश का सिलसिला जारी रहा तो जल भंडार और बेहतर हो सकता है। फिलहाल सातों झीलों में 95.95 प्रतिशत पानी का स्टॉक मुंबई के लिए सकारात्मक संकेत है। हालांकि, पिछले साल की तुलना में थोड़ी कमी को देखते हुए जल प्रबंधन विभाग स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।

मुंबई: मराठी सीखने की समयसीमा बढ़ाने पर विवाद, एकीकरण समिति ने जताई आपत्ति...

मुंबई : ऑटो-रिक्शा, टैक्सी और ओला-उबर चालकों को मराठी भाषा सीखने के लिए राज्य सरकार द्वारा दी गई एक वर्ष की समयसीमा बढ़ाने के फैसले के खिलाफ मराठी एकीकरण समिति ने आक्रामक रुख अपनाया है। समिति ने इस फैसले को तत्काल वापस लेने की मांग की है। इस मामले में समिति का एक प्रतिनिधिमंडल दो दिन के भीतर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात कर समयसीमा बढ़ाने का फैसला वापस लेने की मांग वाला ज्ञापन सौंपेगा। राज्य सरकार के फैसले के विरोध और संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन के 107 शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए समिति के पदाधिकारी और कार्यकर्ता रविवार को बड़ी संख्या में हुतात्मा चौक पर इकट्ठा हुए। समिति के अध्यक्ष गोवर्धन देशमुख ने कहा कि मराठी भाषा के क्रियान्वयन में किसी तरह की ढील नहीं दी जानी चाहिए। चालकों को दी गई एक वर्ष की समयसीमा बढ़ाना स्थानीय मराठी समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला फैसला है।

ठाणे : हाईवे पर ट्रकों की टक्कर ड्राइवर गंभीर घायल....

ठाणे : भिवंडी में मुंबई-नासिक हाईवे पर एक भीषण सड़क हादसा सामने आया है। पडघा पावर हाउस के पास दो ट्रकों के बीच हुई जोरदार टक्कर का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। हादसे को वहां से गुजर रहे एक कार सवार यात्री ने अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया था। वीडियो में टक्कर की भयावहता साफ दिखाई दे रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह हादसा तेज रफ्तार के कारण हुआ। हाईवे पर तेज गति से आ रहा एक ट्रक आगे चल रहे कंटेनर ट्रक के पिछले हिस्से से जा टकराया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहनों को भारी नुकसान पहुंचा। कंटेनर ट्रक का पिछला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, वहीं पीछे से टक्कर मारने वाले ट्रक का केबिन बुरी तरह पिचक गया।

केबिन में फंसा ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हादसे के बाद टक्कर मारने वाले ट्रक का चालक अपने ही वाहन के पिचके हुए केबिन में फंस गया। टक्कर इतनी तेज थी कि केबिन का अगला हिस्सा पूरी तरह दब गया था और चालक को बाहर निकालना मुश्किल हो गया। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों और हाईवे से गुजर रहे वाहन चालकों ने तुरंत मदद के लिए दौड़ लगाई। काफी मशक्कत के बाद चालक को ट्रक के अंदर से बाहर निकाला

गया। इसके बाद उसे इलाज के लिए कल्याण के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के अनुसार, चालक को गंभीर चोटें आई हैं और उसका इलाज जारी है।

हाईवे पर लगा जाम हादसे के बाद मुंबई-नासिक हाईवे पर कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित हुआ। दुर्घटनाग्रस्त ट्रकों और क्षतिग्रस्त वाहनों के कारण सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस और संबंधित विभाग की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस ने दोनों ट्रकों को सड़क से हटवाने की प्रक्रिया शुरू की, ताकि यातायात को सामान्य किया जा सके। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। वायरल वीडियो में दिखी टक्कर की भयावहता

हादसे का जो वीडियो सामने आया है, उसमें टक्कर के समय की भयावह स्थिति नजर आ रही है। वीडियो में देखा जा सकता है कि तेज रफ्तार ट्रक सीधे कंटेनर के पिछले हिस्से में जा घुसता है। टक्कर के बाद ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह दब जाता है। वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से शेयर किया जा रहा है। लोग इस हादसे को देखकर वाहन चालकों से सावधानी बरतने और तेज गति से बचने की अपील कर रहे हैं। तेज रफ्तार बनी हादसों की बड़ी वजह मुंबई-नासिक हाईवे पर तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के कारण अक्सर दुर्घटनाएं सामने आती रहती हैं। भारी वाहनों के बीच होने वाले हादसे कई बार जानलेवा साबित होते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि हाईवे पर वाहन चलाते समय निर्धारित गति सीमा का पालन करना बेहद जरूरी है। खासकर ट्रक और कंटेनर जैसे भारी वाहनों के चालकों को पर्याप्त दूरी बनाए रखनी चाहिए, ताकि अचानक ब्रेक लगाने की स्थिति में दुर्घटना से बचा जा सके। फिलहाल भिवंडी पुलिस मामले की जांच कर रही है। हादसे में घायल ट्रक चालक का अस्पताल में इलाज

मुंबई और कोलकाता समुद्र का जलस्तर बढ़ने से हो सकते हैं प्रभावित; यूएन रिपोर्ट की चेतावनी!

मुंबई : संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस की एक रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि समुद्र का जलस्तर बढ़ने से कोलकाता और मुंबई में रह रहे लाखों लोग बुरी तरह प्रभावित हो सकते हैं। सोमवार को जारी रिपोर्ट में ग्लोबल वार्मिंग की वजह से समुद्र का जलस्तर बढ़ने के असर को लेकर कई गंभीर चेतावनियां दी गई हैं। पैसिफिक आइलैंड्स फोरम लीडर्स की 55वीं बैठक में सेक्रेटरी-जनरल अमीना मोहम्मद ने जो रिपोर्ट जारी की, उसके मुताबिक 2024 में समुद्र के जलस्तर में सालाना बढ़ोतरी अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है और यह लगभग छह मिलीमीटर दर्ज की गई है।

मुंबई: एफडीएने सिप्ला का लाइसेंस रद्द आदेश वापस लिया

मुंबई: महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने पुणे स्थित सिप्ला फार्मा एंड लाइफ साइंसेज लिमिटेड की कैरिंग एंड फॉरवर्डिंग यूनिट का दवा बिक्री लाइसेंस रद्द करने के अपने आदेश को वापस ले लिया है। यह फैसला बॉम्बे हाई कोर्ट की उस टिप्पणी के बाद आया, जिसमें अदालत ने एफडीए की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए मामले पर दोबारा विचार करने का निर्देश दिया था। एफडीए ने अदालत को बताया कि अब कंपनी को नया शो-कॉज नोटिस जारी किया जाएगा और सिप्ला के जवाब पर विचार करने के बाद नियमों के अनुसार नया और तर्कसंगत फैसला लिया जाएगा।

हाई कोर्ट ने प्राकृतिक न्याय के उल्लंघन पर उठाए सवाल मामले की सुनवाई के दौरान बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा कि एफडीए की पिछली कार्रवाई में प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उचित पालन नहीं किया गया। अदालत ने कहा कि किसी भी संस्था या कंपनी के खिलाफ इतनी बड़ी कार्रवाई करने से पहले उसे अपनी बात रखने का पर्याप्त अवसर दिया जाना जरूरी है। कोर्ट की टिप्पणी के बाद एफडीए ने अपने पुराने आदेश को वापस लेने का फैसला किया और दोबारा प्रक्रिया अपनाने की बात कही।

रिएक्टिन प्लस टैबलेट से जुड़ा था मामला एफडीए ने पुणे के वाडकी स्थित सिप्ला की कैरिंग एंड फॉरवर्डिंग यूनिट का लाइसेंस 27 अगस्त से रद्द कर दिया था। यह कार्रवाई 'रिएक्टिन प्लस

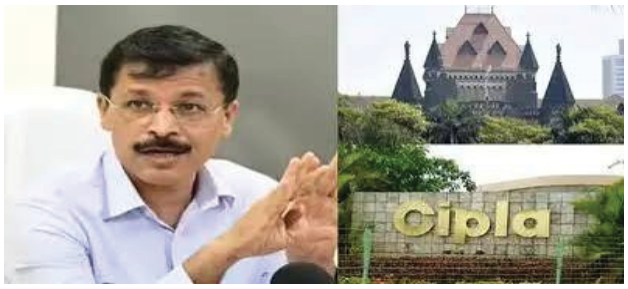

टैबलेट्स' की पैकेजिंग, स्टोरेज और रिकॉल प्रक्रिया से जुड़ी कथित अनियमितताओं के आधार पर की गई थी। एफडीए की टीम ने वाडकी स्थित सुविधा का निरीक्षण किया था, जिसके बाद नियामक ने लाइसेंस रद्द करने का आदेश जारी किया था।

सिप्ला ने हाई कोर्ट में दी चुनौती

एफडीए के इस फैसले को सिप्ला ने बॉम्बे हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। कंपनी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आबाद पोंडा ने अदालत में दलील दी कि एफडीए ने उचित प्रक्रिया का पालन नहीं किया। उन्होंने बताया कि एफडीए ने कंपनी को 26 अगस्त को सुनवाई के लिए बुलाया था, लेकिन वह दिन महाराष्ट्र में सार्वजनिक अवकाश था। कंपनी ने सुनवाई के लिए अतिरिक्त समय मांगा था क्योंकि उस दिन उसका कोई प्रतिनिधि उपलब्ध नहीं हो सका था। इसके बावजूद एफडीए ने उसी दिन लाइसेंस रद्द करने का आदेश जारी कर दिया। कंपनी को जवाब देने का मिलेगा मौका सुनवाई के दौरान एफडीए ने अदालत को बताया कि अब वह सिप्ला को नया शो-कॉज नोटिस जारी करेगा। कंपनी को अपना पक्ष रखने का पूरा अवसर दिया जाएगा। इसके बाद एफडीए सभी तथ्यों और जवाबों पर विचार कर नया फैसला लेगा। इस प्रक्रिया के जरिए नियामक यह सुनिश्चित करना चाहता है कि कार्रवाई कानूनी प्रक्रिया और निष्पक्षता के अनुरूप हो। दवा कंपनियों के लिए अहम मामला यह मामला दवा उद्योग के लिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दवा कंपनियों के खिलाफ नियामक कार्रवाई में पारदर्शिता और उचित प्रक्रिया को लेकर यह एक महत्वपूर्ण उदाहरण बन सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि दवाओं की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करना एफडीए की जिम्मेदारी है, लेकिन कार्रवाई करते समय कंपनियों को अपनी सफाई देने का अवसर मिलना भी जरूरी है। एफडीए की भूमिका और जिम्मेदारी फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन का मुख्य उद्देश्य दवाओं की गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रभावशीलता सुनिश्चित करना है। ऐसे मामलों में नियामक संस्थाओं को सख्त कार्रवाई करने का अधिकार है, लेकिन अदालतों ने बार-बार कहा है कि कार्रवाई कानून के दायरे और उचित प्रक्रिया के तहत होनी चाहिए।

मानसून पड़ा कमजोर, अगले 10 दिनों तक तेज बारिश के आसार नहीं...

मुंबई: मुंबई में अगस्त का महीना सामान्य से काफी कम बारिश वाला रहा। 20 से 31 अगस्त 2026 के बीच सांताक्रूज एयरपोर्ट वेधशाला में सिर्फ 26 मिमी बारिश दर्ज हुई। इससे पहले महीने के पहले पखवाड़े में शहर में 2-3 बार मध्यम बारिश हुई थी, लेकिन पूरे अगस्त में एक भी ऐसा दौर नहीं आया, जब 24 घंटे में 100 मिमी या उससे अधिक बारिश हुई हो। अगस्त में मुंबई की कुल बारिश 308.1 मिमी रही, जबकि सामान्य बारिश 560.8 मिमी होती है। यानी अगस्त में करीब 45% से अधिक बारिश की कमी रही। हालांकि, इससे पहले जुलाई में स्थिति बिल्कुल अलग थी। जुलाई में मुंबई में भारी बारिश हुई और कुल 1481.8 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि जुलाई की सामान्य बारिश 919.9 मिमी है। अब सितंबर में भी मौसम में बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं है और बारिश की गतिविधियां कमजोर बनी रह सकती हैं। मुंबई में मानसून की अच्छी बारिश के लिए आमतौर पर बंगाल की खाड़ी में बनने वाले मौसम सिस्टम महत्वपूर्ण होते हैं। ये सिस्टम मध्य भारत से होते हुए उत्तर मध्य महाराष्ट्र और दक्षिण-पश्चिम मध्य प्रदेश तक पहुंचते हैं और इनके प्रभाव से मुंबई तथा कोंकण क्षेत्र में बारिश बढ़ती है। इसके अलावा पश्चिमी तट के समानांतर बनने वाला ऑफ-शोर ट्रफ भी कोंकण में अच्छी बारिश कराता है।

आतंकवाद का डर दिखाकर अधिकारी से ठगी

नासिक : महाराष्ट्र के नासिक जिले में साइबर धोखाधड़ी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक निजी कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी से ठगों ने करीब 90 लाख रुपये की ठगी कर ली। साइबर अपराधियों ने पीड़ित को आतंकवाद, मनी लॉन्ड्रिंग और जांच एजेंसियों का डर दिखाकर करीब 12 दिनों तक मानसिक दबाव में रखा। इस तरह की ठगी को आमतौर पर ''डिजिटल अरेस्ट'' स्कैम कहा जाता है, जिसमें अपराधी खुद को पुलिस, जांच एजेंसी या सरकारी अधिकारी बताकर पीड़ित को डराते हैं और पैसे ट्रांसफर करने के लिए मजबूर करते हैं।

बैंक खाते को आतंकवाद से जोड़कर डराया जानकारी के अनुसार, पीड़ित की उम्र करीब 60 वर्ष है और वह नासिक की एक निजी कंपनी में वरिष्ठ पद पर कार्यरत हैं। ठगी की शुरूआत कथित तौर पर 17 अगस्त को हुई, जब उन्हें एक फोन कॉल आया। कॉल करने वाले व्यक्ति

ने दावा किया कि उनके पहचान दस्तावेजों का इस्तेमाल जम्मू में एक बैंक खाता खोलने के लिए किया गया है। ठगों ने आरोप लगाया कि इस बैंक खाते का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर मनी लॉन्ड्रिंग के लिए किया गया है और इसके संबंध आतंकवादी गतिविधियों से जुड़े हुए हैं। यह सुनकर पीड़ित घबरा गए और ठगों के जाल में फंसते चले गए। जांच एजेंसियों का अधिकारी बनकर की बातचीत इसके बाद साइबर अपराधियों ने पीड़ित से व्हाट्सऐप ऑडियो और वीडियो कॉल के जरिए संपर्क करना शुरू किया। ठगों ने खुद को एंटी टेररिज्म स्क्वॉड, पुलिस और अन्य जांच एजेंसियों का अधिकारी बताया। उन्होंने पीड़ित को गिरफ्तार करने की धमकी दी और कहा कि वह किसी से संपर्क न करें और घर से बाहर न निकलें। इस दौरान आरोपियों ने लगातार निगरानी रखने का नाटक किया, जिससे पीड़ित को लगा कि वह किसी गंभीर कानूनी मामले में फंस गए हैं। 12 दिनों तक बनाया मानसिक दबाव पुलिस के अनुसार, ठगों ने पीड़ित को करीब 12 दिनों तक डर और तनाव की स्थिति में रखा। आरोपियों ने उन्हें बताया कि जांच चल रही है और अगर उन्होंने सहयोग नहीं किया तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस डर के कारण पीड़ित ने ठगों के निदेशों का पालन करना शुरू कर दिया। साइबर अपराधियों ने इसी मानसिक दबाव का फायदा उठाकर उनसे बड़ी रकम ट्रांसफर करवा ली। करीब 90 लाख रुपये की ठगी ठगों ने अलग-अलग तरीकों से पीड़ित से करीब 90 लाख रुपये की राशि हासिल कर ली। जब पीड़ित को बाद में एहसास हुआ कि उनके साथ धोखाधड़ी हुई है तो उन्होंने पुलिस से संपर्क किया। इसके बाद साइबर अपराध से जुड़े अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है। डिजिटल अरेस्ट स्कैम में बढ़ोतरी देशभर में पिछले कुछ समय से डिजिटल अरेस्ट के मामले तेजी से बढ़े हैं। इस तरह के मामलों में अपराधी खुद को पुलिस अधिकारी, सीबीआई, ईडी, आरबीआई या अन्य सरकारी एजेंसियों का कर्मचारी बताकर लोगों को डराते हैं।

मुंबई: दर्दनाक हादसे में 9 साल के बच्चे की मौत, कार चला रही महिला ने मासूम को कुचला

मुंबई: महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के बांद्रा इलाके में दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। मेहबूब स्टूडियो के पास एक इनोवा कार की चपेट में आने से 9 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। महिला ने 9 साल के बच्चे को कुचला. मृतक की पहचान अंश गुप्ता के रूप में बताई गई है। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना के समय अंश सड़क के किनारे जा रहा था। इसी दौरान इनोवा कार ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों का दावा है कि कार का अगला पहिया बच्चे के ऊपर चढ़ गया और इसके बाद पिछला पहिया भी उसके ऊपर से गुजर गया।

प्रत्यक्षदर्शी ने बताई हादसे की भयावहता घटना के एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि वह घटनास्थल के पास खाना लेने गया था। इसी दौरान उसे दुर्घटना जैसी तेज आवाज सुनाई दी। पीछे मुड़कर देखने पर उसने बच्चे को कार के नीचे पाया। प्रत्यक्षदर्शी के मुताबिक, उसने तत्काल दौड़कर कार को रुकवाया और घायल बच्चे की मदद के लिए आगे आया। हादसे में अंश गंभीर रूप से घायल हो गया था। इसके बाद उसे उसी कार

से इलाज के लिए होली फैमिली अस्पताल पहुंचाया गया।

महिला चला रही थी कार

प्रत्यक्षदर्शी ने दावा किया कि हादसे के वक्त कार एक महिला चला रही थी और वह कथित तौर पर फोन पर बात कर रही थी। हालांकि इस दावे की पुलिस की ओर से आधिकारिक पुष्टि अभी सामने नहीं आई है। पुलिस जांच के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि हादसे के समय चालक की स्थिति क्या थी और दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई। प्रत्यक्षदर्शी ने यह भी दावा किया कि बच्चा सड़क पार नहीं कर रहा था बल्कि किनारे से जा रहा था, तभी कार ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। अस्पताल में बच्चे की मौत गंभीर रूप से घायल अंश को होली फैमिली अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। नौ साल के बच्चे की मौत की खबर से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। वहीं घटना के बाद आसपास के लोगों में भी आक्रोश और दुख का माहौल है। पुलिस ने शुरू की जांच हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जानकारी के आधार पर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। कार चालक को हिरासत में लिया गया है या वह घटनास्थल से चली गई, इसे लेकर उपलब्ध जानकारी में स्थिति स्पष्ट नहीं है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों के आधार पर हादसे की पूरी परिस्थितियों का पता लगा सकती है। जांच के बाद ही चालक की जिम्मेदारी और अन्य तथ्यों की पुष्टि हो सकेगी।

संपादकीय...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

पहाड़ी जीवन के खतरे...

कृत्रिम बांधों और ग्लेशियरों के खतरे तमाम हिमालयी राज्यों में मंडरा रहे हैं, तो नेपाल की घटना ने हिमाचल को भी सचेत किया है। प्रदेश के बांधों में एक चौथाई गाद का ठहरना जलक्षमता के भंडारण पर असर डाल रहा है, तो सडक मार्गों में सुरंगों के अलावा जल परियोजनाओं में सुरंगों के जरिए पानी को ले जाने का प्रबंध किया गया है। जाहिर तौर पर पर्वतीय आंचल में विकास के मायने तेजी से बदले हैं और मानवीय जरूरतों के कारण निर्माण के मानदंड भी औपचारिकता ही निभा रहे हैं। केंद्रीय जल आयोग ने बांधों में जमती गाद को प्रमुख दुश्मन मानते हुए इसे हर तरह से हानिकारक माना है। प्रदेश की जल वितरण प्रणाली और विद्युत आपूर्ति का खाका भौगोलिक दृष्टि से विभिन्न चुनौतियों को नजरअंदाज कर रहा है। हिमाचल के शहरी इलाकों पर बढ़ता आबादी का घनत्व आधारभूत सुविधाओं के जोखिम बढ़ा रहा है। हर वर्ष नदी-नालों के करीब बस्तियों पर डाका डालती प्रकृति की नजर को न समझे, तो रामपुर के आसपास, सडकों के किनारे उठती इमारतों या मैदानी इलाकों में जल भराव के सामने दयनीय स्थिति के कोप भाजक बन जाएंगे। बरसात में बांधों से पानी छोड़ा का गुनाह कई बार नूरपुर के इलाकों को पस्त कर चुका है, तो हर साल ऊना में रुकने वाले पानी से जल प्रबंधन के नई योजनाएं सामने नहीं आई हैं। यह सब इसलिए भी कि हिमाचल में ग्राम एवं नगर योजना कानून के तहत जल निकासी की दिशा में कोई नया प्रयोग नहीं किया। हिमाचल की पारंपरिक नदियों के जल बहाव को हम केवल बरसाती पानी या बाढ़ के दौरान ही देखते हैं, जबकि सबसे बड़ा अध्ययन नदियों के बेसिन्स पर होने चाहिएं। हिमालयी क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से ग्लेशियर तीव्रता से पिघल कर नई झीलों को जन्म दे रहे हैं। सौ के करीब ऐसी संवेदनशील झीलें बन चुकी हैं, जो अपने आकार और पानी के दबाव के कारण विस्फोटक क्षमता रखती हैं।

हिमाचल की सभी नदियों के स्रोत पहले भी पाराछू झील की तरह खतरे पैदा कर चुके हैं। सतलुज नदी के तटीय क्षेत्रों में भूगर्भीय हलचल ने बार-बार खतरे चिन्हित किए हैं, तो बाकी नदियां भी बाढ़ के संकेतों के साथ जल प्रलय का नासूर लेकर चलती हैं। ऐसे में नेपाल की घटना ने हिमालयी राज्यों की नीतियों में खास तवज्जो देने की नसीहत दी है। कायदे से भारतीय संदर्भों में हिमालयी राज्यों के न तो जलाधिकार सुनिश्चित हुए हैं और न ही जल आबंटन के राष्ट्रीय मानक किसी सर्वमान्य आधार पर पुष्ट हुए हैं।

editor@rokthoklekhani.com
+91 9987775650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

मुंबईः अन्ना हजारे अस्पताल में भर्ती वायरल इन्फेक्शन और डिहाइड्रेशन का चल रहा इलाज

मुंबईः सामाजिक कार्यकर्ता और भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के प्रमुख चेहरों में शामिल अन्ना हजारे की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनके सहयोगी ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि 89 वर्षीय अन्ना हजारे को वायरल इन्फेक्शन और गंभीर डिहाइड्रेशन के इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक, अन्ना हजारे को सोमवार को महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले से दक्षिण मुंबई स्थित बॉम्बे हॉस्पिटल लाया गया। इससे पहले उनकी तबीयत खराब होने के बाद उन्हें अहिल्यानगर के एक स्थानीय अस्पताल में शुरूआती इलाज के लिए भर्ती कराया गया था।

डॉक्टरों की निगरानी में अन्ना हजारे अन्ना हजारे के सहयोगी ने बताया कि बॉम्बे हॉस्पिटल के डॉक्टर उनकी स्वास्थ्य स्थिति की लगातार निगरानी कर रहे हैं। डॉक्टर उनकी जांच कर रहे हैं और उनकी रिपोर्ट के आधार पर आगे के इलाज की रणनीति तय की जाएगी। अस्पताल में भर्ती होने के बाद मेडिकल टीम उनकी स्थिति पर नजर बनाए हुए है। फिलहाल डॉक्टर यह पता लगाने में जुटे हैं कि वायरल संक्रमण और शरीर में पानी की कमी का असर उनके स्वास्थ्य पर कितना पड़ा है।

उम्र को देखते हुए विशेष सावधानी अन्ना हजारे की उम्र 89 वर्ष है, ऐसे में डॉक्टर उनकी सेहत को लेकर विशेष सावधानी बरत रहे हैं। बुजुर्ग मरीजों में वायरल संक्रमण और डिहाइड्रेशन जैसी समस्याएं गंभीर रूप ले सकती हैं, इसलिए उनकी लगातार निगरानी जरूरी होती है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, उन्हें बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है और उनकी जांच की प्रक्रिया जारी है।

सामाजिक आंदोलनों का बड़ा चेहरा हैं अन्ना हजारे

अन्ना हजारे देश के जाने-माने सामाजिक कार्यकर्ताओं में शामिल हैं। उन्होंने लंबे समय से भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन चलाए हैं और ग्रामीण विकास, पारदर्शिता तथा जनहित के मुद्दों को लेकर आवाज उठाते रहे हैं। 2011 में भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के दौरान वह राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आए थे। उनके नेतृत्व में हुए आंदोलन ने देश की राजनीति और प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर बड़ी बहस खड़ी की थी।

ग्रामीण विकास और जनहित के मुद्दों पर सक्रिय

अन्ना हजारे महाराष्ट्र के रालेगण सिद्धि गांव में किए गए अपने विकास कार्यों के लिए भी प्रसिद्ध हैं। उन्होंने जल संरक्षण, नशामुक्ति और ग्राम सुधार जैसे मुद्दों पर लंबे समय तक काम किया है। उनके प्रयासों के कारण रालेगण सिद्धि को देशभर में एक आदर्श गांव के रूप में पहचान मिली। अन्ना हजारे लगातार सामाजिक सुधार से जुड़े मुद्दों पर अपनी राय रखते रहे हैं। समर्थकों में चिंता अन्ना हजारे के अस्पताल में भर्ती होने की खबर सामने आने के बाद उनके समर्थकों और शुभचिंतकों में चिंता बढ़ गई है। लोग उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं। उनके सहयोगियों ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और डॉक्टरों की सलाह के अनुसार इलाज जारी रहने दें। स्वास्थ्य अपडेट का इंतजार फिलहाल बॉम्बे हॉस्पिटल के डॉक्टर अन्ना हजारे की स्थिति का आकलन कर रहे हैं। उनकी मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही स्वास्थ्य को लेकर विस्तृत जानकारी सामने आने की उम्मीद है। अस्पताल में उनकी जांच और इलाज जारी है।

मुंबईः सरकारी अस्पताल में महिला गार्ड ने मुस्लिम महिला को अंदर जाने से रोक दिया; अस्पताल में विवाद

मुंबईः भारत के किसी न किसी राज्य में लगातार बुर्के या हिजाब को लेकर विवाद उठते हैं. नया मामला महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई का है, जहां एक सरकारी अस्पताल में महिला गार्ड ने मुस्लिम महिला को अंदर जाने से रोक दिया. बताया जा रहा है कि बुर्का पहने होने की वजह से महिला को एंट्री नहीं मिली. महिला पेशे से एडवोकेट हैं और उनका नाम जहां आरा है. उन्होंने बताया, ''मैं कूपर हॉस्पिटल गई, वहां पर मुझे मैटरनिटी वार्ड के बाहर ही रोक दिया गया. यह कहा गया कि आप बुर्के में अंदर नहीं जा सकतीं. मेरे बोलने के बाद, इंट्रोडक्शन देने के बाद भी मुझे रोका गया कि आप कोई भी हो, हम आपको बुर्के में अंदर जाने नहीं देंगे.'' जहां आरा ने जब सिक्योरिटी स्टाफ से वजह पूछी तो गार्ड ने कहा कि महिलाएं बुर्के में अंदर जाती हैं और बच्चे चोरी हो जाते हैं. इसपर जहां आरा ने कहा, ''मेरा उनसे सिर्फ यही बोलना है कि क्या बुर्के में ही बच्चे चोरी होते हैं? उनसे पूछना चाहूंगी जिन्होंने ये रूल्स बनाए हैं. हॉस्पिटल के अंदर साड़ी में भी बच्चे चोरी हुए हैं. मेरा मतलब ऐसा नहीं है मैं किसी एक साड़ी, बुर्का या कोई एक पहनावे को टारगेट कर रही हूं. मैं सिर्फ ये पूछना चाहती हूं कि बुर्के से ही तकलीफ क्यों है?''

मुस्लिम महिला का कहना है कि हर जगह बुर्का टारगेट किया जा रहा है, हर जगह दाढ़ी-टोपी टारगेट हो रही है. वाडिया हॉस्पिटल में साड़ी के अंदर बच्चे चोरी हुए. चोर के साथ जो सलूक करना है करो, हम आपके साथ हैं, लेकिन अगर केवल बुर्के पर बात नहीं आनी चाहिए. जहां आरा ने कहा कि उनके साथ जो हुआ, वो उसको लेकर कानून का सहारा लेंगी और जो लीगल एक्शन होगा, वो करेंगी. उनका कहना है, ''क्योंकि मेरी बहनों के साथ जो हो रहा है मैं देख रही हूं. आज मेरे साथ भी ऐसी ही चीज हो गई.

मुंबईः नकली लेबलिंग का बड़ा खेल... कंपनी पर कसा शिकंजा 75 लाख के खाद्य पदार्थ जब्त

मुंबईः महाराष्ट्र के नवी मुंबई में खाद्य विभाग ने खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और सुरक्षा को लेकर बड़ी कार्रवाई की है। तुर्भे एमआईडीसी इलाके में स्थित साधना एंटरप्राइज कंपनी पर छापेमारी कर विभाग ने करीब 75 लाख रुपये से ज्यादा कीमत का माल जब्त किया है। जांच के दौरान कंपनी में खाद्य पदार्थों की पैकेजिंग और लेबलिंग में गड़बड़ी सामने आई है। खाद्य विभाग की टीम ने कार्रवाई के दौरान कंपनी परिसर से कुल 4,942 कार्टन खाद्य सामग्री जब्त की। इसकी बाजार कीमत करीब 75 लाख 21 हजार रुपये बताई जा रही है। जांच में करीब 30 हजार रुपये कीमत का ऐसा सामान भी मिला, जिस पर जरूरी लेबल नहीं थे या जिसकी एक्सपायरी डेट खत्म हो चुकी थी।

अधिकारियों के अनुसार, कंपनी में खाद्य पदार्थों की रिपैकिंग और दोबारा लेबलिंग की जा रही थी। आरोप है कि पैकेट पर मौजूद मैन्युफैक्चरिंग डेट और एक्सपायरी डेट में बदलाव किया जा रहा था। इसके अलावा उत्पादों में इस्तेमाल सामग्री यानी इंग्रेडिएंट्स की जानकारी से भी छेड़छाड़ किए जाने की बात सामने आई है। छापेमारी के दौरान कई तरह के खाद्य उत्पाद मिले, जिनमें आलू चिप्स, कॉर्न स्नैक्स, कुरकुरे, इंस्टेंट नूडल्स, रेडी टू ईट पनीर टिक्का, दम आलू, रसोई पनीर भुर्जी, दाल मखनी, म्योनीज और कोल्ड ड्रिंक्स जैसे उत्पाद शामिल हैं। खाद्य विभाग ने साधना एंटरप्राइज के मालिक और पार्टनर्स के खिलाफ तुर्भे एमआईडीसी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया है। इसके साथ ही कंपनी का लाइसेंस भी रद्द कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। खाद्य विभाग ने कहा कि नागरिकों के स्वास्थ्य के साथ किसी भी तरह का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। खाद्य सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वाले कारोबारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

कोटेदारों ने मांगों को लेकर जिलाधिकारी को दिया मांग पत्र

प्रयागराज। जिले के कोटेदारों ने आज जिलाधिकारी प्रयागराज, अपर जिलाधिकारी आपूर्ति व जिला पूर्ति अधिकारी प्रयागराज से मिलकर 7 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा। इस मांग पत्र का नेतृत्व व गणेश प्रसाद द्विवेदी जिला अध्यक्ष ऑल इंडिया फेयर प्राइस शॉप डीलर एसोसिएशन प्रयागराज ने किया। उन्होंने जिलाधिकारी से कहा कि हम लोगों की मांग पर जल्द से जल्द समाधान कराया जाए। जिलाधिकारी प्रयागराज ने आश्वासन दिया कि आपकी मांगों पर हम आपूर्ति विभाग के अधिकारियों के साथ और कोटेदारों की एक बैठक कराई जाएगी और उन समस्याओं का त्वरित निस्तारण कराया जाएगा। मांग पत्र के समय प्रमुख रूप से बसंत लाल सरोज जिला महामंत्री, राजकरण सिंह जिला उपाध्यक्ष, रामलला मिश्र जिला उपाध्यक्ष, कौशलेश सिंह जिला कोषाध्यक्ष, मनोज कुमार शुक्ला तहसील अध्यक्ष मेजा, सरदार सिंह, रामसूरत सिंह, राजू केसरवानी, अवधेश कुशवाहा, सौरभ केसरवानी, गुलाबचंद, सुकेश कुमार यादव, नितेश सिंह, जय राम मिश्रा, जियालाल सहित तमाम कोटेदार उपस्थित रहे।

बारावफात पर्व को लेकर पीस कमेटी की बैठक आयोजित

प्रयागराज। करेली थाना क्षेत्र में आने वाले बारह रबीउल अव्वल,बारावफात जिसे मुस्लिम समाज के लोग पैगंबर मोहम्मद साहब के जन्मदिन के रूप में बड़ी धूमधाम से मनाते हैं, इसी को लेकर अभी से तैयारियां शुरू हो गई हैं। करेली के एक गेस्ट हाउस में सेंट्रल पीस कमेटी के अध्यक्ष चांद मियां की अध्यक्षता में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में थाना प्रभारी करेली सच्चिदानंद सिंह, सभी चौकी इंचार्ज, क्षेत्र के पुलिसकर्मी, पार्षदगण, जुलूस के आयोजक एवं संभ्रांत नागरिक के साथ मीटिंग की गई। थाना प्रभारी ने सभी आयोजकों से एक-एक करके जुलूस के संबंध में जानकारी ली और कहा कि यदि किसी स्थान पर किसी प्रकार की समस्या या दिक्कत है तो इसकी जानकारी अभी से पुलिस को दें, ताकि उसका तत्काल समाधान कराया जा सके। थाना प्रभारी ने कहा कि सभी जुलूस पूर्व की तरह पारंपरिक मार्ग और शांतिपूर्ण तरीके से निकाले जाएं। मीटिंग में एसआई अमृत जायसवाल, अजीत मौर्य, बृजेश सरोज, विजय प्रकाश, विकाश सिंह, महेंद्र सिंह एवं तारिक अनवर अंसारी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लोहिया वाहिनी, पार्षद कसान सिद्दीकी, पार्षद सलामत उल्ला खान, सफ़राज़ पार्षद अब्दुल समद पार्षद मोहम्मद आमिर दिगम्बर त्रिपाठी आदि लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

गहरे नाले में डूबने से युवक की मौत

लखनऊ। नगराम अनैया गांव निवासी जितेंद्र कुमार (30) की संदिग्ध परिस्थितियों में पानी में डूबने से मौत हो गई। शुक्रवार शाम उसका शव विशुनखेड़ा के पास गहरे नाले में उतराता मिला। वहीं नाले के किनारे सड़क पर उसकी मोटरसाइकिल खड़ी मिली। सूचना पर पहुंची नगराम पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। नगराम थानाध्यक्ष अंजनी कुमार सिंह के मुताबिक अनैया निवासी छेदालाल रैदास का पुत्र जितेंद्र कुमार शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे घर से निकला था। शाम करीब साढ़े तीन से चार बजे के बीच ग्रामीणों ने विशुनखेड़ा के पास नाले में उसका शव उतराता देखा और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को बाहर निकलवाया। नाले के पास सड़क किनारे मृतक की मोटरसाइकिल खड़ी मिली। मृतक के पिता की तहरीर पर पुलिस ने घटना की इत्तफाकिया दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया जाता है कि जितेंद्र विवाहित था। उसकी ससुराल गोसाईगंज क्षेत्र के चमरही काजीखेड़ा गांव में है। पत्नी से विवाद के चलते वह काफी समय से मायके में रह रही थी। दोनों के बीच विवाद का मामला पारिवारिक न्यायालय में भी चल रहा है। थानाध्यक्ष के अनुसार, युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्रेम-प्रसंग में धोखा मिलने से आहत युवक ने नहर में लगाई छलांग

लखनऊ। प्रेम-प्रसंग में धोखा मिलने से आहत युवक(25) ने शुक्रवार दोपहर समेसी पुल के पास इंदिरानहर में छलांग लगा दी। युवक को नहर में डूबता देख आस पास मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची नगराम पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद युवक को सकुशल बाहर निकाल लिया। बाद में पुलिस ने परिजनों को बुलाकर युवक को उनके सुपुर्द कर दिया। नगराम थानाध्यक्ष अंजनी कुमार सिंह के मुताबिक, समेसी के मजरा कंचनखेड़ा निवासी शंभू कोरी का पुत्र बिपिन शुक्रवार दोपहर करीब 12बजे समेसी पुल के पास इंदिरा नहर पहुंचा। बताया गया कि उसने अचानक नहर के गहरे पानी में छलांग लगा दी। युवक को डूबते-उतराते देखकर वहां मौजूद लोगों ने तत्काल नगराम पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से युवक को नहर से बाहर निकाला। पूछताछ में युवक ने पुलिस को बताया कि प्रेम-प्रसंग में धोखा मिलने से वह काफी आहत था और इसी कारण उसने आत्महत्या करने की नीयत से नहर में छलांग लगाई थी। पुलिस ने परिजनों को बुलाकर युवक को सकुशल उनके सुपुर्द कर दिया।

मसूरी-देहरादून मार्ग पर बारिश बनी मुसीबत, रात में 8 घंटे की मशक्कत के बाद खुला रास्ता; सुबह फिर बंद

मसूरीः पहाड़ों में लगातार हो रही बारिश ने मसूरी-देहरादून मार्ग पर मुश्किलें बढ़ा दी हैं। रातभर मलबा और बोल्डर हटाकर जिस सड़क को करीब आठ घंटे की मशक्कत के बाद खोला गया था, वह कुछ ही घंटे बाद फिर बंद हो गई। मंगलवार सुबह करीब पांच बजे पानी वाले बैंड के पास भारी भूस्खलन से सड़क का बड़ा हिस्सा बह गया। इसके बाद मसूरी-देहरादून के बीच यातायात पूरी तरह ठप हो गया।

सोमवार रात गलोगीधार के पास भारी भूस्खलन होने से सड़क पर बड़ी मात्रा में मलबा और बोल्डर आ गए थे। मार्ग बंद होने के बाद लोक निर्माण विभाग की टीम रात भर मौके पर जुटी रही। करीब आठ घंटे की मशक्कत के बाद रात लगभग दो बजे मलबा और बोल्डर हटाकर यातायात को सुचारू कराया गया। लेकिन कुछ ही घंटों बाद पानी वाले बैंड पर हुए भूस्खलन ने फिर संकट खड़ा कर दिया।

सुबह पानी वाले बैंड के पास भूस्खलन इतना जबरदस्त था कि सड़क का एक हिस्सा ही बह गया। इससे वाहनों की आवाजाही के लिए रास्ता नहीं बचा। मार्ग बंद होने से मसूरी आने-जाने वाले स्थानीय लोगों, पर्यटकों और अन्य यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मार्ग को जल्द खोलने के लिए लोक निर्माण विभाग ने मोर्चा संभाल लिया है।

विभाग की टीम मशीनों के साथ मौके पर पहुंचकर सड़क को बहाल करने में जुटी है। पहाड़ के हिस्से को काटकर सड़क के लिए वैकल्पिक जगह तैयार करने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि लगातार बारिश और पहाड़ी से मलबा गिरने के खतरे के बीच सड़क खोलना चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। मसूरी-देहरादून मार्ग पर पिछले कुछ समय से लगातार भूस्खलन और सड़क धंसने की घटनाएं सामने आ रही हैं। एक स्थान पर सड़क खोलने के बाद दूसरे स्थान पर फिर भूस्खलन होने से विभाग की चुनौती बढ़ गई है।

तीन नए विश्वविद्यालय की होगी स्थापना, एमपी कैबिनेट का बड़ा फैसला, मीटिंग में इन प्रस्तावों पर लगी मुहर...

भोपालः मध्य प्रदेश कैबिनेट की अहम बैठक मंगलवार को सीएम डॉ मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई। कैबिनेट बैठक में कई अहम फैसलों पर मुहर लगाई गई है। बैठक में 41 हजार करोड़ रुपये से अधिक के महत्वपूर्ण वित्तीय प्रस्तावों और जन-कल्याणकारी निर्णयों को स्वीकृति दी गई है। कैबिनेट ने ह्वविकसित भारत (ग्रामीण) वीबी जी राम जी विकसित भारत जी राम जी योजना मध्य प्रदेश और इसके 1 जुलाई 2026 से प्रभावशील किए जाने का अनुसमर्थन किया। योजना के कार्यान्वयन के लिए वित्तीय वर्ष 2026-2027 में अनुमानित लागत रुपये 3,183 करोड़ रुपये और वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक योजना की निरंतरता के लिए कुल अनुमानित लागत 26,436 करोड़ रुपये के वित्तीय प्रस्ताव का अनुसमर्थन किया गया। केंद्र और राज्य का अंश 60:40 के अनुपात में होगा, जिसमें राज्यांश 10 हजार 574 करोड़ रुपये होगा। इन पांच वर्षों में प्रशासनिक व्यय के लिए 946 करोड़ रुपये का व्यय होगा, जो राज्य शासन वहन करेगा।

इन योजनाओं को डिजिटल पोर्टल के माध्यम से 'विकसित भारत राष्ट्रीय ग्रामीण अवसंरचना स्टैक' में समेकित किया जाएगा। योजना के तहत जल सुरक्षा, जलवायु-अनुकूल इंजीनियरिंग, डेटा साइंस और अत्याधुनिक आजीविका मॉडल जैसे तकनीकी कार्यों के प्रभावी संपादन के लिए मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण रोजगार गारंटी परिषद में एक समर्पित राज्य-स्तरीय परियोजना प्रबंधन इकाई स्थापित की जाएगी।

कैबिनेट बैठक में अंतरिम व्यवस्था के तहत नई परिषद के पूर्ण गठन, पंजीकरण तक वर्तमान 'मध्यप्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद' को ही इस नई योजना के समस्त दायित्वों के निर्वहन के लिए अधिकृत किया है।

पेव्ड शोल्डर के होगा निर्माण

कैबिनेट ने पश्चिम भोपाल बायपास 4 लेन मय पेव्ड शोल्डर के लम्बाई 35.61 किमी, निर्माण कार्य के लिए हाईब्रिड एन्यूटी मॉडल के अंतर्गत कुल परियोजना वित्तीय लागत 3,225 करोड़ 51 लाख रुपये की पुनरीक्षित स्वीकृति दी। इस बायपास के निर्माण से जबलपुर और नर्मदापुरम की ओर से इन्दौर आने-जाने वाले वाहनों को भोपाल से नहीं गुजरना पड़ेगा और 21 किलोमीटर की दूरी कम हो जाएगी। कैबिनेट ने प्रदेश में तकनीकी शिक्षा के संवर्धन, क्षेत्रीय संतुलन और अधोसंरचना की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए वर्तमान राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) भोपाल के स्थान पर अब राज्य में 3 पृथक प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय स्थापित किए जाने की स्वीकृति दी है। ये विश्वविद्यालय भोपाल, उज्जैन और जबलपुर में स्थापित होंगे। इस व्यवस्था के तहत भोपाल स्थित वर्तमान विश्वविद्यालय को 'मध्य भारत प्रौद्योगिकी एवं कौशल विश्वविद्यालय', उज्जैन के स्वशासी इंजीनियरिंग कॉलेज को 'मालवा प्रौद्योगिकी एवं कौशल विश्वविद्यालय' तथा जबलपुर के स्वशासी इंजीनियरिंग कॉलेज को 'महाकौशल प्रौद्योगिकी एवं कौशल विश्वविद्यालय' के रूप में स्थापित किया जाएगा। वर्तमान में आरजीपीवीअंतर्गत 13 पाठ्यक्रम, 585 संस्थाए और 3 लाख 83 हजार से अधिक विद्यार्थी अध्ययन करते हैं। स्वीकृत व्यवस्था के अंतर्गत प्रदेश के सभी तकनीकी महाविद्यालयों को संभागवार विभाजित कर नवीन गठित तीन विश्वविद्यालयों के क्षेत्राधिकार में सौंपा गया है। भोपाल स्थित 'मध्य भारत प्रौद्योगिकी एवं कौशल विश्वविद्यालय' के अधीन भोपाल, नर्मदापुरम, चंबल और ग्वालियर संभाग आएंगे। कैबिनेट ने प्रदेश के दुग्ध उत्पादकों के हित में सहकारी प्रणाली और सांची ब्राण्ड को उन्नयन करने के उद्देश्य से 2 हजार 973 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है।

परिवार के शासनकाल की गलतियों के लिए जनता से माफी मांगिएह्न, एमपी आ रहे राहुल गांधी पर सीएम मोहन का निशाना...

भोपालः सीएम मोहन यादव ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा है। छात्रों की गूंज कार्यक्रम के लिए एमपी आ रहे राहुल गांधी का उन्होंने स्वागत किया है। साथ ही यह भी उनसे कहा कि वे उनकी पार्टी का सारा हिसाब-किताब जनता को बताएं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने वर्षों तक देश की जनता के साथ अन्याय किया। इसके लिए उसे देश से माफी मांगनी चाहिए।

राजधानी भोपाल में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान सीएम यादव ने कहा कि मुझे मालूम पड़ा है कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मध्यप्रदेश आने वाले हैं। मध्यप्रदेश की धरती पर उनका स्वागत है। राहुल गांधी, आप जनता के बीच आइए। लेकिन, यहां आने के साथ अपने अतीत के शासनकाल का हिसाब भी जनता के सामने रखिए। आपके परनाना, आपकी दादी और आपके पिता ने लंबे समय तक दिल्ली में बैठकर देश की सरकार चलाई। उनके शासनकाल में राज्य के भीतर जो परिस्थितियां उत्पन्न हुईं और जनता को जिन समस्याओं का सामना करना पड़ा, उन सबके लिए भी आपको जनता के सामने जवाब देना चाहिए। मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की जनता जागरूक है।

अमेरिकी बेस पर स्ट्राइक से तिलमिलाए ट्रंप, तेहरान के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की धमकी

''ईरान पर जोरदार हमला करेंगे''

वॉशिंगटन: जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ईरान के हमलों से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भड़के हुए हैं। इन हमलों के बाद ट्रंप ने ईरान के खिलाफ नई सैन्य कार्रवाई की धमकी दी है, जिसके बाद एक बार फिर से लड़ाई भड़कने का खतरा पैदा हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने फॉक्स न्यूज को फोन पर दिए एक इंटरव्यू में कहा कि अमेरिका ईरान के हमलों का जोरदार जवाब देगा।

ईरान पर होगा जवाबी हमला

ट्रंप ने फॉक्स न्यूज से कहा, ''इसका जवाब दिया जाएगा। हम उन पर जोरदार हमला करेंगे।'' अमेरिकी न्यूज आउटलेट को ट्रंप ने बताया कि अमेरिकी एयर डिफेंस सिस्टम ने सिवाय एक मिसाइल के ईरान की सभी मिसाइलों रोक दिया। ट्रंप ने दावा किया कि जो मिसाइल नहीं रोकी गई वह किसी अहम चीज से नहीं टकराने वाली थी, इसलिए अमेरिकी सेना ने उसे जाने दिया।

ईरान-अमेरिका के एक-दूसरे पर हमले

ईरान और अमेरिका ने पिछले महीने के आखिर में एक दूसरे पर हमले किए थे। यह दोनों पक्षों के बीच एक महीने में फायरिंग की पहली बड़ी घटना थी। ईरान के वरिष्ठ सरकारी सूत्र ने रात भर चले हमलों को सीमित और नियंत्रित टकराव बताया लेकिन चेतावनी दी कि अगर ईरान पर हमले हुए तो तेहरान कड़ा जवाब देगा।

लराक द्वीप पर अमेरिकी हमले से बढ़ा तनाव

ताजा तनाव होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान के लराक द्वीप पर अमेरिकी हमले के बाद बढ़ा है। रॉयटर्स ने बताया कि अमेरिकी सेना ने दो ईरानी लॉन्चरों को हमले में निशाना बनाया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने इस हमले को ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के खिलाफ बताया, जो बारूदी सुरंगें बिछाने की तैयारी कर रहे थे। अमेरिकी सेना ने इसे होर्मुज जलडमरूमध्य के लिए तत्काल खतरा बताया।

मक्का पैक्ट पर जल्दबाजी पड़ सकती है भारी

बांग्लादेशी एक्सपर्ट्स ने दी प्रधानमंत्री तारिक को चेतावनी, भारत का लिया नाम

ढाका: पाकिस्तान, तुर्की और सऊदी अरब के 'मक्का पैक्ट' में शामिल होने को लेकर बांग्लादेश में बड़ी बहस चल रही है। देश के सुरक्षा विशेषज्ञों ने तारिक रहमान की सरकार को चेतावनी दी है कि जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं लिया जाए।

एक्सपर्ट्स ने कहा है कि संभावित सदस्यता पर कोई भी फैसला राजनीतिक सहमति और असरदार कूटनीतिक तैयारी के आधार पर लिया जाना चाहिए। दरअसल बांग्लादेश में सोमवार को राजधानी ढाका के कारवां बाजार में मक्का पैक्ट को लेकर एक कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया था।

इस कॉन्फ्रेंस का आयोजन 'वॉयस फॉर रिफॉर्म' ने किया था। इसमें बांग्लादेश के सुरक्षा विशेषज्ञ,

राजनीतिक विश्लेषक, डिप्लोमेट्स और यूनिवर्सिटीज के प्रोफेसर्स शामिल हुए थे। इस दौरान फाउंडेशन फॉर स्ट्रैटेजिक एंड डेवलपमेंट स्टडीज के चेयरमैन मेजर जनरल (रिटायर्ड) फजले इलाही अकबर ने कहा कि मक्का डिफेंस पैक्ट में शामिल होने से बांग्लादेश की रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने के मौके मिल सकते हैं।

मक्का पैक्ट पर जल्दबाजी में फैसला लेने से परहेज करे देश'

उन्होंने कहा कि खासकर मक्का पैक्ट में शामिल होकर बांग्लादेश अपनी रक्षा उपकरणों की सप्लाई चेन को मजबूत कर सकता है, अपनी सैन्य-औद्योगिक क्षमता विकसित कर सकता है और इसमें शामिल देशों के साथ मिलकर काम करने की क्षमता को बेहतर बना सकता है। उन्होंने तर्क दिया कि बांग्लादेश को संयुक्त प्रशिक्षण और खुफिया जानकारी साझा करने से भी फायदा हो सकता है। लेकिन उन्होंने कहा कि जल्दबाजी में लिया गया फैसला भारी भी पड़ सकता है। लेकिन उन्होंने आगे कहा कि इस समझौते में शामिल होने से कई संभावित जोखिम भी हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर बांग्लादेश इसका सदस्य बनता है तो भारत को अपनी सैन्य योजना बनाते समय बांग्लादेश को ज्यादा ध्यान में रखना पड़ सकता है। साथ ही यह भी अनिश्चित है कि भविष्य में अमेरिका का मौजूदा रुख वैसा ही बना रहेगा या नहीं। मेजर जनरल (रिटायर्ड) फजले इलाही अकबर के मुताबिक बांग्लादेश को मक्का डिफेंस पैक्ट में शामिल होने की जल्दबाजी करने की कोई जरूरत नहीं है।

रूस ने यूक्रेन पर बोला बड़ा हमला, 1 भारतीय समेत 12 की मौत, पीएम मोदी की अपील का भी असर नहीं...

कीव: रूसी बलों ने यूक्रेन में राजधानी कीव समेत कई शहरों में बड़े पैमाने पर हमले किए हैं। इन हमलों में कम से कम 12 लोग मारे गए हैं, जिनमें एक भारतीय नागरिक भी शामिल है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने यह जानकारी दी है। जेलेंस्की ने बताया कि रूसी हमले में दर्जनों लोग घायल हुए हैं। भारतीय शख्स की मौत की जानकारी ऐसे समय में आई है, जब एक दिन पहले ही पीएम मोदी ने रूसी राष्ट्रपति से मुलाकात की थी। इस दौरान पीएम मोदी ने कभी खत्म न होने वाले युद्धों से निकलने की बात कही थी।

सोशल मीडिया एक्स प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में जेलेंस्की ने कहा कि रूस में हमलों के बाद हालातों का काम चल रहा है। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने बताया कि रूस ने हमलों में बड़ी संख्या में जेट-पावर्ड साम्राज्य और बैलिस्टिक मिसाइलों का इस्तेमाल किया था। मराठों में

रिक्शायशी आर्किटेक्चर और प्रोफेशनल रिसर्च को भी बाजार में लाया गया।

कीव में 7 लोगों की मौत

जेलेंस्की ने बताया कि कीव में रेलवे डिपो पर हमला किया गया जिसमें 7 लोगों की मौत हो गई। बोरिस्पिल में कम से कम 4 लोगों की मौत हुई है। एक पांच मंजिला इमारत को नुकसान पहुंचा। वहां से 50 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। उन्होंने कहा कि रूस अपने हमले इस तरह से कर रहा है जिससे लोगों की जान-माल का नुकसान ज्यादा हो। इसके साथ ही उन्होंने यूक्रेन को एयर डिफेंस सिस्टम मुहैया कराए जाने की अपील की। जेलेंस्की ने उन देशों का शुक्रिया अदा किया जो यूक्रेन को एंटी-बैलिस्टिक क्षमताएं हासिल करने में मदद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण हैं कि इस सर्दियों में ये आपूर्ति बढ़ाई जाए। रूसी आतंक के शिकार लोगों की संख्या सीधे तौर पर मदद के हर नए पैकेज पर निर्भर करती है।

पीएम मोदी ने की थी पुतिन से अपील

इसके पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की और रूस-यूक्रेन संघर्ष को तुरंत खत्म करने की अपील की। पीएम मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से कहा कि वह ''अंतहीन युद्ध को समाप्त करने'' की ओर बढ़ें। किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के मौके पर पुतिन के साथ बैठक में मोदी ने कहा कि युद्ध का हर दिन मानवता को पीछे ले जाता है।

पाकिस्तान में ढहाया गया 100 साल पुराना हिंदू मंदिर, मदरसे को बढ़ाने के लिए कब्जा कर ली जमीन

इस्लामाबाद: पाकिस्तान में हिंदुओं और उनके धार्मिक स्थलों के खिलाफ होने वाली उत्पीड़न की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। अब पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में 100 साल से अधिक पुराने एक हिंदू मंदिर को ढहा दिया गया है। स्थानीय लोगों और अल्पसंख्यक संगठनों का कहना है कि मंदिर के खिलाफ यह कार्रवाई इसकी जमीन को पास में स्थित एक मदरसे में शामिल करने के लिए की गई। स्थानीय लोगों और एक राजनीतिक पार्टी ने शहबाज शरीफ सरकार से लगभग 125 साल पुरानी इमारत को फिर से बनाने और कब्जा हटाने की मांग की है।

टीएलपी से जुड़े लोगों ने प्लांट लगाया

रिपोर्ट के अनुसार, प्रतिबंधित कट्टरपंथी इस्लामिक पार्टी तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान से जुड़े लोगों ने बीते महीने 21 अगस्त को इस मंदिर को ढहा दिया। करीब 1000 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैला मंदिर लाहौर से करीब 130 किलोमीटर दूर पंजाब के नारोवाल जिले के सिराज गांव में था। स्थानीय समूहों का कहना है कि यह मंदिर 100 से 125 साल पुराना था। वहीं, सरकार का कहना है कि मंदिर बारिश के कारण ढह गया। अल्पसंख्यकों पर केंद्रित राजनीतिक दल पाकिस्तान मसीहा मिल्लत पार्टी ने मरियम नवाज शरीफ के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार से मंदिर गिराने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने और इसका पुनर्निर्माण सुनिश्चित करने की मांग की है। पीएमएमपी के अध्यक्ष असलम परवेज सहोत्रा ने पीटीआई को बताया कि उन्होंने 28 अगस्त को पंजाब के अतिरिक्त गृह सचिव से मुलाकात की थी। इस दौरान मंदिर की सुरक्षा न कर पाने में जिम्मेदार अधिकारियों और इसे गिराने के दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी।

मंदिर गिराने के बाद मलबा साफ

उन्होंने आरोप लगाया कि मंदिर को तोड़े जाने के बाद उसके शिखर की धातु, दूसरी सामग्री के साथ मलबे की ईंटों को भी हटा दिया गया। सहोत्रा ने बताया कि मंदिर से सटी जमीन पहले विस्थापितों की संपत्ति के लिए बने ट्रस्ट बोर्ड ने एक मदरसे को लीज पर दी थी। बाद में यह लीज रद्द कर दी गई, क्योंकि कई सालों तक किराया नहीं दिया था। सहोत्रा ने दावा किया कि कई लोगों ने क्वार्टर और प्रॉपर्टी के अन्य हिस्सों पर कब्जा कर रखा है। सहोत्रा ने मंदिर को फिर से उसके मूल रूप में बनाए जाने की मांग की। इसके साथ ही सरकार से पूरे पंजाब में हिंदू मंदिरों, सिख गुरुद्वारों और ईसाई चर्चों से जुड़ी प्रॉपर्टी की सुरक्षा सुनिश्चित करे। हिंदू समुदाय के नेता रतन लाल ने भी एक सदी से पुराने मंदिर को तोड़ने जाने की निंदा की है।

लाइक्स और लोकप्रियता की दौड़ का मनोवैज्ञानिक सच

'ओए चिल मार' टीजर-ट्रेलर लॉन्च

मुंबईः सोशल मीडिया की चमक-दमक, लाइक्स और लोकप्रियता की बढ़ती होड़ के बीच युवाओं की बदलती मानसिकता और उसके मनोवैज्ञानिक प्रभावों को केंद्र में रखकर बनी हिंदी फिल्म 'ओए चिल मार' जल्द ही दर्शकों के सामने आने वाली है। मुंबई के अंधेरी पश्चिम स्थित रेड बल्ब स्टूडियो में तुलसीराम प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले निर्मित इस फिल्म के टीजर और ट्रेलर का भव्य लॉन्च किया गया।

निर्माता तुलसीराम देवरुखकर की फिल्म के लॉन्च समारोह में फिल्म की पूरी कास्ट और क्रू के साथ बॉलीवुड एवं मनोरंजन जगत से जुड़े कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। सामाजिक मनोवैज्ञानिक थ्रिलर के रूप में बनाई गई 'ओए चिल मार' का निर्देशन और संपादन नितिन एम. रोकड़े ने किया है।

फिल्म में नवोदित अभिनेता तेजस देव मुख्य भूमिका में नजर आएंगे, जबकि शिखा पांडेय ने नायिका की भूमिका निभाई है। फिल्म की अन्य प्रमुख कास्ट में श्रेया पारेख, अतुल तिवारी, मोना शर्मा, प्राची बंसल, सुजीत अस्थाना, प्रशांत मोहिते और 'ना तेलुगोडु' फेम सूफिया तनवीर सहित कई कलाकार शामिल हैं।

निर्देशक नितिन एम. रोकड़े ने कहा कि सोशल मीडिया आज युवाओं के जीवन का अहम हिस्सा बन चुका है। लाइक्स, लोकप्रियता और ऑनलाइन चर्चित होने की चाहत कई बार व्यक्ति को नैतिक सीमाएं लांघने के लिए प्रेरित करती है। फिल्म इसी बदलते सामाजिक माहौल और उसके मनोवैज्ञानिक प्रभावों को रोमांचक तथा मनोरंजक अंदाज में पेश करती है।

फिल्म की कहानी अरविंद यादव और नितिन रोकड़े ने लिखी है। संगीत असलम केई ने तैयार किया है, जबकि गीत ईश्वरी फ्रांसिस के हैं। निर्माता तुलसीराम देवरुखकर के अनुसार, फिल्म मनोरंजन के साथ एक महत्वपूर्ण सामाजिक संदेश भी देने का प्रयास करती है। टीजर और ट्रेलर में फिल्म के रोमांच और मनोवैज्ञानिक पहलुओं की झलक देखने को मिली। 'ओए चिल मार' 25 सितंबर 2026 को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

तुकाराम मुंढे के कारण घर पर पनीर बना रहीं टिंकल खन्ना और डिंपल कपाड़िया

मुंबई : FDA कमिश्नर तुकाराम मुंढे ने हाल ही महाराष्ट्र में खाद्य सुरक्षा के खिलाफ जो कड़ी कार्रवाई की, उसकी हर तरफ तारीफ हो रही है। उन्होंने सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वालों और मिलावटखोरों के खिलाफ सख्त एक्शन लिया। कई रेस्टोरेंट बंद करवा दिए, तो कई के लाइसेंस भी रद्द किए गए। अब इसका असर यह हुआ है कि अक्षय कुमार की पत्नी ट्विंकल खन्ना और सासू मां डिंपल कपाड़िया ने घर पर ही पनीर बनाना शुरू कर दिया है। वो अब रेस्टोरेंट में पनीर खाने या ऑर्डर करने से बच रही हैं।

ट्विंकल खन्ना ने इसे लेकर हमारे सहयोगी अखबार TOI में एक कॉलम लिखा है, जिसमें उन्होंने तुकाराम मुंढेकी कार्रवाई पर मजाकिया अंदाज में अपने विचार रखे हैं। इसमें उन्होंने बताया है कि कैसे पनीर के टेस्ट को लेकर भी उनके और मॉम के बीच जंग छिड़ी है और अंदेशा है कि कहीं कलर को लेकर भी न छिड़ जाए। ट्विंकल ने लिखा है, 'पुराने दिनों में, जब मैं मेलों में सिर्फ घूमने जाती थी (और उनमें एक्टिंग नहीं करती थी), तो 'बुड्ढी के बाल' (कॉटन कैंडी) चमकीले पिंक कलर के हुआ करते थे। अब, इनका रंग मेरे बालों की जड़ों जैसा हो गया है, जो टच-अप के बीच में दिखते हैं। यानी अब ये सच में अपने नाम के मुताबिक दिखते हैं। खबरों के मुताबिक, पिंक कलर का गायब होना महाराष्ट्र के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (FDA) कमिश्नर तुकाराम मुंढे की वजह से हुआ है, जिन्होंने पूरे राज्य में 3,000 से ज्यादा छापे मारे हैं। उनकी कार्रवाई की वजह से सैकड़ों रेस्टोरेंट बंद हो गए हैं, जिनमें डोमिनोज़ भी शामिल है। मुंढे जहां भी जाते हैं, वहां बड़े-बड़े लोगों की 'मुंडी' (सिर) गिरती है।'

ट्विंकल ने आगे लिखा, 'मुझे शक है कि आगे चलकर वो यह भी पूछने लगेंगी कि किसका पनीर ज्यादा सफेद है, और हो सकता है कि मैं अपने पनीर में डिटर्जेंट मिलाने लगूं। यह बात सुनने में जितनी अजीब लगती है, असल में उतनी भी अजीब नहीं है। हाल ही में आई एक खबर के मुताबिक, बिहार के नालंदा जिले में कुछ छात्र इसलिए बीमार पड़ गए क्योंकि नमक की जगह डिटर्जेंट का इस्तेमाल किया गया था।'

ट्विंकल फिर आगे लिखती हैं, 'मैं अपने दोस्तों के साथ एक रेस्टोरेंट में हूं। हम तंदूरी ब्रोकली और चिकन टिक्का ऑर्डर करते हैं। फिर मैं वेटर से पूछती हूं- क्या मुंढे ने आपके रेस्टोरेंट की जांच की है? वह हिचकिचाते हुए कहता है- हां मैडम, पिछले हफ्ते। हम पास हो गए। तो मैं कहती हूं, 'वाह! तब तो मैं बिना किसी डर के पनीर टिक्का ऑर्डर कर सकती हूं। प्लीज इसे हमारे ऑर्डर में शामिल कर लीजिए।'

श्रेया रेड्डी कौन?

मुंबई : हा ल ही प्रशांत वर्मा की फिल्म 'महाकाली' का टीजर रिलीज हुआ, जिसमें असुर गुरु शुक्राचार्य के किरदार में अक्षय खन्ना ने सभी के होश उड़ा दिए। धर्म और अधर्म की लड़ाई के उद्घोष में अक्षय के खतरनाक लुक ने रोंगटे खड़े कर दिए। पर उनके अलावा एक और किरदार ने सबको हैरत में डाल दिया और वह है देवी महाकाली का किरदार। कुछ सेकेंड के सीन में महाकाली का जो रौद्र रूप, चेहरे के एक्सप्रेशन दिखे, वो रोंगटे खड़े करने के लिए काफी थे। हर कोई जानना चाह रहा था कि आखिर महाकाली का यह किरदार किसने निभाया है, जो एकदम शुक्राचार्य को टक्कर दे रहा है?

'महाकाली' फिल्म में यह किरदार एक्ट्रेस श्रिया रेड्डी ने निभाया है और टीजर से ही वह हर तरफ छा गई हैं। चलिए बताते हैं कि श्रिया रेड्डी कौन हैं ? बता दें कि श्रिया ने ही 'सलार' में विलेन बने राजा मन्नार की बेटी राधा रमा मन्नार का किरदार निभाया था। वह 'सूजल' जैसी दमदार सीरीज भी कर चुकी हैं। श्रिया रेड्डी असल में पूर्व भारतीय क्रिकेटर भरत रेड्डी की बेटी हैं। श्रिया के पैरेंट्स नहीं चाहते थे कि वह एक्टिंग या शोबिज की दुनिया में करियर बनाएं, पर श्रिया की ख्वाहिश ऐसी नहीं थी। स्कूल के दिनों में ही श्रिया रेड्डी को मॉडलिंग के ऑफर मिलने लगे थे, लेकिन पिता चाहते थे कि वह पहले पढ़ाई पूरी करें। हालांकि, जब श्रिया को VJ बनने का ऑफर मिला, तो किसी तरह पैरेंट्स को मनाया और इंडस्ट्री में आ गईं। श्रिया ने फिर वीजे की दुनिया में खूब नाम कमाया और पॉपुलर हो गईं। इसके बाद उन्होंने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखे, जबकि पैरेंट्स इसके सख्त खिलाफ थे। श्रिया ने साल 2002 में आई फिल्म 'समुराई' से एक्टिंग डेब्यू किया था, और इसमें उनके साथ एक्टर विक्रम नजर आए थे। लेकिन इसके बाद आई फिल्म Appudappudu बुरी तरह फ्लॉप रही, जिससे दुखी होकर श्रिया ने एक साल तक किसी भी फिल्म में काम नहीं किया।

मुंबईः बड़ा झटका, सीएनजी, पीएनजी और टैक्सी ऑटो किराया बढ़ा, आपकी जेब पर पड़ेगा असर

मुंबईः एक सितंबर से मुंबईकरों की जेब पर महंगाई की दोहरी मार पड़ी है। महानगर गैस लिमिटेड ने सीएनजी और घरेलू पीएनजी के दाम बढ़ा दिए हैं। इसके साथ ही टैक्सी और ऑटो रिक्शा के किराए में भी बढ़ोतरी लागू हो गई है, जिससे आम लोगों का खर्च बढ़ेगा। महानगर गैस ने सीएनजी की कीमत में 2 रुपये प्रति किलो और घरेलू पाइप्ड नेचुरल गैस यानी पीएनजी में 1 रुपये प्रति एससीएम की बढ़ोतरी की है. वहीं मुंबई महानगर क्षेत्र में टैक्सी और ऑटो रिक्शा का न्यूनतम किराया भी बढ़ा दिया गया है. दोनों ही बदलाव एक सितंबर से लागू हो चुके हैं.

महानगर गैस यानी एमजीएल ने सोमवार को यह जानकारी दी कि मुंबई और आसपास के इलाकों में अब सीएनजी की नई कीमत 88 रुपये प्रति किलो हो गई है. यह बढ़ोतरी एक सितंबर की आधी रात से लागू हुई है. कंपनी ने इसकी वजह पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव को बताया है. कंपनी के मुताबिक इस तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार से जुड़ी गैस की कीमतें काफी बढ़ गई हैं, जिसका सीधा असर उनकी लागत पर पड़ा है. एमजीएल का कहना है कि सीएनजी की जबरदस्त मांग है और इसके लिए जरूरी गैस का बड़ा हिस्सा महंगे दामों पर आयात किए

गए स्पॉट आरएलएनजी से पूरा किया जा रहा है. कंपनी के अनुसार यह दाम बढ़ोतरी बढ़ती लागत का सिर्फ आंशिक हिस्सा ही कवर कर पाएगी, लेकिन इससे ग्राहकों को लगातार सीएनजी की सप्लाई मिलती रहेगी.

इस बढ़ोतरी का असर मुंबई, ठाणे, रायगढ़, रत्नागिरी, लातूर और धाराशिव के साथ ही कर्नाटक के चित्रदुर्ग और दावणगेरे में रहने वाले करीब 13 लाख सीएनजी वाहन मालिकों पर पड़ेगा. इन सभी जगहों पर वाहन एमजीएल के नेटवर्क से ही गैस लेते हैं. इसके अलावा घरेलू पीएनजी लेने वाले करीब 30 लाख उपभोक्ताओं को भी अब 1 रुपये प्रति एससीएम ज्यादा भुगतान करना होगा. गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही दिल्ली और आसपास के इलाकों में गैस सप्लाई करने वाली कंपनी इंद्रप्रस्थ गैस ने भी सीएनजी के दाम 3.89 रुपये प्रति किलो बढ़ाकर 86.98 रुपये प्रति किलो कर दिए थे.

वहीं दूसरी खबर में मुंबई महानगर क्षेत्र में सफर करने वालों को अब ऑटो और टैक्सी के लिए ज्यादा किराया चुकाना होगा. अब ऑटो रिक्शा का न्यूनतम किराया 27 रुपये और काली-पीली टैक्सी का न्यूनतम किराया 33 रुपये हो गया है. मुंबई महानगर क्षेत्र परिवहन प्राधिकरण यानी एमएमआरटीए ने इस किराया बढ़ोतरी को मंजूरी दी है. ऑटो रिक्शा के किराए में 1 रुपये और टैक्सी के किराए में 2 रुपये की बढ़ोतरी की गई है. अब टैक्सी का किराया 20.66 रुपये प्रति किलोमीटर से बढ़कर 21.90 रुपये प्रति किलोमीटर हो गया है, जबकि ऑटो रिक्शा का किराया 17.14 रुपये से बढ़कर 18.22 रुपये प्रति किलोमीटर कर दिया गया है. टैक्सी में पहले 1.5 किलोमीटर के लिए अब 31 रुपये की जगह 33 रुपये देने होंगे.

मुंबई-गोवा हाईवे पर दर्दनाक हादसा सड़क किनारे चल रही दो लड़कियों को कार ने मारी टक्कर...

मुंबई : रत्नागिरी जिले में मुंबई-गोवा हाईवे पर एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। यहां लावेल पेट्रोल पंप के पास सड़क किनारे चल रही दो लड़कियों को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। हादसे में दोनों लड़कियां गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना रविवार 30 अगस्त की शाम करीब 5:10 बजे की बताई जा रही है। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया और घायलों को अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की।

जानकारी के अनुसार, दोनों लड़कियां मुंबई-गोवा हाईवे के किनारे चल रही थीं। इसी दौरान अचानक तेज रफ्तार से आ रही एक कार ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों लड़कियां गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोग तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों की मदद की।

कार सवार लोग भी घायल बताया जा रहा है कि इस हादसे में कार में सवार लोग भी घायल हुए हैं। दुर्घटना के बाद कार में मौजूद लोगों को भी चोटें आईं। हालांकि, घायलों की संख्या और उनकी स्थिति को लेकर अभी विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। हाईवे पर मची अफरा-तफरी

मुंबई-गोवा हाईवे पर हुए इस हादसे के बाद कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित हुआ। घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। इसके बाद राहत टीम मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने शुरू की जांच हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच शुरू कर दी। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि हादसा किस वजह से हुआ। शुरूआती तौर पर तेज रफ्तार को दुर्घटना की वजह माना जा रहा है, लेकिन जांच के बाद ही वास्तविक कारण स्पष्ट हो पाएगा। पुलिस कार चालक की भूमिका, वाहन की स्थिति और हादसे के समय की परिस्थितियों की जांच कर रही है। सड़क सुरक्षा पर फिर उठे सवाल मुंबई-गोवा हाईवे पर हुए इस हादसे ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। हाईवे पर तेज गति से चलने वाले वाहनों के कारण कई बार पैदल यात्रियों और दोपहिया वाहन चालकों को खतरा रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हाईवे के किनारे पैदल चलने वालों की सुरक्षा के लिए बेहतर इंतजाम किए जाने चाहिए, ताकि इस तरह के हादसों को रोका जा सके। तेज रफ्तार बनी चिंता का कारण सड़क हादसों में तेज रफ्तार एक बड़ी वजह बनती है। खासकर हाईवे पर वाहन चालक गति सीमा का पालन नहीं करते, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि वाहन चलाते समय सावधानी, गति नियंत्रण और यातायात नियमों का पालन करना बेहद जरूरी है। घायलों के इलाज पर नजर फिलहाल दोनों घायल लड़कियों का इलाज जारी है। उनकी हालत को लेकर आधिकारिक जानकारी का इंतजार है। पुलिस ने मामले में आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है और हादसे से जुड़े सभी तथ्यों को जुटाया जा रहा है। मुंबई-गोवा हाईवे पर हुए इस हादसे ने एक बार फिर लोगों को सड़क सुरक्षा को लेकर सतर्क रहने का संदेश दिया है।

मुंबईः मराठी में बात करने के लिए मुंबई के ऑटो ड्राइवर ने निकाला अनोखा जुगाड...

मुंबईः मराठी में बात करने के लिए मुंबई ऑटो ड्राइवर का देसी जुगाड़ः महाराष्ट्र में मराठी भाषा को अनिवार्य किए जाने और चालकों को मिल रहे नोटिस से जुड़े विवाद के चलते मुंबई से एक ऑटो चालक का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। जिसमें उसने कस्टमर से मराठी में बातचीत करने के लिए एक अनोखा तरीका अपनाया है।

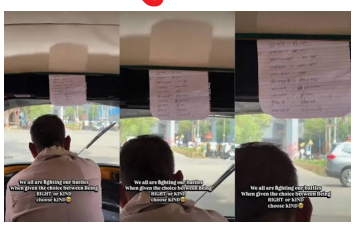

सोशल मीडिया वायरल वीडियो

वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि, ऑटो के अंदर हाथ से लिखी हुई हिंदी-मराठी अनुवाद की एक शीट चिपकाई गई है। इसमें रोजमर्रा की बातचीत में इस्तेमाल होने वाले कई वाक्य शामिल हैं। हिंदी के वाक्यों के साथ उनके मराठी अनुवाद भी साफ तौर पर लिखे गए हैं, ताकि चालक जरूरत पड़ने पर उन्हें देखकर आसानी से कस्टमर से मराठी में बातचीत कर सकें। एक महिला जब ऑटो में सवार हुईं तो उनकी नजर इस अनोखी शीट पर पड़ी। इसके बाद उन्होंने इसका वीडियो बनाकर इंस्टाग्राम पर शेयर कर दिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। यह पहल ऐसे समय में सामने आई है, जब महाराष्ट्र सरकार ऑटो, टैक्सी और ऐप-बेस्ड कैब चालकों के लिए मराठी की कार्यकारी जानकारी अनिवार्य करने की दिशा में कदम उठा रही है। राज्य परिवहन विभाग ने अगस्त 2020 से गैर-मराठी भाषी चालकों की मराठी भाषा की जानकारी की जांच शुरू की थी। वहीं, अप्रैल में सरकार की ओर से घोषणा की गई थी कि चालकों को बुनियादी मराठी भाषा का ज्ञान हासिल करना होगा।

मुंबईः दमकल विभाग को 16 करोड़ की सुरक्षा सामग्री, कर्मियों को मिलेगी राहत

मुंबईः मुंबई जैसे महानगर में आग की घटनाओं, इमारत दुर्घटनाओं, रेल हादसों अथवा किसी भी अन्य आपात स्थिति में लोगों की जान-माल बचाने के लिए फायर ब्रिगेड के जवान 24 घंटे तैनात रहते हैं। ऐसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अपनी जान जोखिम में डालने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए मुंबई महानगरपालिका ने अब अत्याधुनिक 'स्व-सुरक्षा उपकरण संच' खरीदने का फैसला किया है। इसमें अंतरराष्ट्रीय और भारतीय मानकों के अनुरूप कोट, ट्राउजर, हुड और ग्लव्स के 2,176 सेट शामिल हैं। इसके लिए करीब 15 करोड़ 99 लाख 96 हजार 249 रुपये का ठेका देने का प्रस्ताव प्रशासन स्थायी समिति की मंजूरी के लिए जल्द पेश किया जाएगा। सामग्री की आपूर्ति से पहले मान्यता प्राप्त तृतीय-पक्ष निरीक्षण संस्था द्वारा सामग्री की जांच की जाएगी। इसके बाद फायर ब्रिगेड द्वारा मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला में नमूनों का परीक्षण किया जाएगा।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर 4 ए, फ्लोर-जीआरडी, 29 डी, शबन हाउस, वंजावाडी लेन, माहिम वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400016 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhani.com